सूरत समाचार

क्रांति समय

सूरत। सचीन इंडस्ट्रीयल को.ओ. सोसायटी ली. के सदस्य मेसर्स अमी ओगींनीकस प्रा.ली. के डायरेकटर श्री नरेश भाई वधासिया ने वाणिज्य और उधोग मंत्रालय भारत सरकार के तरफ से मान्यता प्राप्त केमिकल और फार्मास्युटिकल की सबसे बड़ी संस्था chemexcil की ओर से पुरे देश में से छोटे उधोग के क्षेत्र निकास करने में दूसरे स्थान प्राप्त कर पुरस्कृत किया गया .जो सचीन जी.आई.डी.सी. और सुरत शहर के लिये गर्व की बात हैं श्री ने श्री नरेश भाई वधासिया ने अलग-अलग ट्रेडीग के बाद बहुत छोटे स्थान से मेसर्स अमी ओगींनीकस की स्थापना वर्ष 2004 में सचीन जी.आई.डी.सी में किया गया था. 14 साल तक आज भी अमी ओगींनीकस आज एक अग्रणी उधोग और पुरे राज्य के लिये यह एक प्रेरणा रूप हैं

साथ ही सचीन इंडस्ट्रीयल को.ओ. सोसायटी ली. के सेक्रेटरी मयुर जे.गोलवाला ने इस तरह के छोटे उधोगों को देश और अन्य क्षेत्रों में विकास के ओर ले जाने में आथक परिश्रमपूर्वक का नतीजा हैं.जो किसी भी प्रकार की प्रश्नोत्तरी को जल्द-से जल्द पूर्ण करते हैं.

गुजरात में गर्मी में परिवर्तन की स्थिति के बीच गर्मी का प्रकोप जारी है । जबकि जैन समाज के साधु-संतों के लिए गर्मी से बचने के लिए रोड पर विशेष व्यवस्था की गई है ।

पांडेसरा केस में आरोपियों ने सारी हदे पार कर दी

विधवा मां और बच्ची पर सामूहिक रेप और डबल मर्डर हर्ष

गुर्जर और इसके संबंधित लोगों द्वारा विधवा मां-बच्ची पर रेप करने के बाद दोनों को मौत के घाट उतारा गया था

सूरत । गुजरात सहित देशभर में सनसनी मचानेवाले पांडेसरा क्षेत्र में रेप करने के बाद हत्या की गई हालत में मिली ११ वर्षीय बच्ची के केस में मानवता की सारी हदे पार कर दी है यह जानकारी सामने आयी है । अहमदाबाद क्राइमब्रांच द्वारा मुख्य आरोपी हर्ष सहाई गुर्जर को गत दिन गिरफ्तार करने के बाद शनिवार को इसे अहमदाबाद क्राइमब्रांच की ऑफिस में जांच के लिए लाया गया था । आरोपी हर्ष सहाई गुर्जर की पूछताछ के दौरान चौंकानेवाले खुलासे सामने आये थे कि, आरोपियों ने बच्ची की विधवा मां और इसकी ११ वर्षीय बच्ची को राजस्थान के गंगापुर से खरीदा था । यहां लाने के बाद आरोपी हर्ष सहाई गुज र ने मां और बच्ची दोनों को कई दिनों तक अपनी हवस का शिकार बनाया था और इस पर बारबार रेप किया गया था । इस मामले में हुए झगड़े में आरोपी हर्ष गुर्जर ने विधवा मां को मौत के घाट उतारा दिया था । उस समय में उपस्थित रही मासूम बच्ची को भी

देखनेवाली होने से गवाह होने की वजह से इसे भी मौत के घाट उतारा गया था । मां और बच्ची की हत्या अलग-अलग जगहों पर की गई थी । जांच में यह भी चौंकानेवाला खुलासा किया गया था । हर्ष गुर्जर और इसके संबंधित लोगों द्वारा विधवा मां और मासूम बच्ची बारबार मानवता की सारी हदे पार करके सामूहिक रेप किया गया था । राज्य का यह सनसनी मचानेवाले डबल मर्डर और सामूहिक रेप केस बन रहा है । पूरे केस मे में एक के बाद एक खुलासे हो रहे है यह देखकर हर्ष सहाई गुर्जर, इसका भाई हरिसिंह गुर्जर सहित के आरोपियों के प्रति समाज में चारों तरफ से आलोचना और खुलेआम इसे फांसी देने की मांग की गई है । आरोपी हर्ष सहाई गुर्जर ने अहमदाबाद क्राइमब्रांच के समक्ष किए गए खुलासे खुद पुलिसअधिकारी भी आश्चर्य में पड़ गये थे । आरोपी हर्ष सहाई गुर्जर ने कबूल किया था कि, वह पिछले डेढ वर्ष से अपनी पत्नी रमादेवी और दो पुत्र दिपान्सु (उम्र.१९) और प्रियान्सु (उम्र.८) के साथ सूरत में रहते है और टाइल्स फीटींग से संबंधित कॉन्ट्राक्टर का काम करते है ।

इनके साथ इसका एक परिचित भी सूरत रहता था, जो शादीशुदा नहीं था और जयपुर की किसी महिला के साथ संबंध होने से इसे सूरत बुलाया था, जो इसकी ११ वर्ष की पुत्री को लेकर आयी थी । उसने कामरेजन मानसरोवर फ्लेट नाम की साइट में ई ब्लोक के चौथी मंजिल पर स्थित मकान नंबर -४०२ में ढाई महीने तक रखी गई थी, जहां उसे खानेपीने को दिया जाता था और इसके साथ बारबार रेप किया जाता था । इस दौरान यह महिला उनके साथ रहना चाहती होने की वजह से इसके संबंधित लोगों के साथ मिलकर बच्ची की उपस्थिति में ही उसे मौत के घाट उतारा गया था और इसका शव अज्ञात जगह पर फेंका गया था ।

इसके बाद आरोपी इसकी पुत्री को लेकर अपने घर आ गये थे लेकिन बच्ची ने अपनी मां की हत्या की बात आरोपी हर्ष गुर्जर के भाई और अन्य स्थानीय निवासियों में फैलाने पर १ से ५ अप्रैल के दौरान आरोपी हर्ष सहाई गुर्जर और इसके संबंधित आरोपियों ने बच्ची को हाथ और डंडे के द्वारा बहुत पीटाई की गई थी । इतना ही नहीं हर्ष सहाई गुज र और इसके संबंधित लोगों द्वारा बच्ची पर मानवता की सारी हदे पार करके सामूहिक रेप किया गया था ।

मायाबहन की पहली प्रतिक्रिया

भाजपा की कार्यकर्ता थी और रहूंगी, निर्दोष बरी होने की खुशी

दु:ख के समय में मुझे साथ देनेवाले सभी की आभारी हूं, मेरी निर्दोषता आखिर में साबित हुई : डॉ. कोडनानी

अहमदाबाद । सनसनी मचानेवाले नरोडा पाटिया हत्याकांड केस में निर्दोष बरी होने के बाद डॉ. मायाबहन कोडनानी ने पहलीबार मीडिया के समक्ष अपनी प्रतिक्रिया दी थी कि, वह भाजपा की कार्यकर्ता थी और रहूंगी । भाजपा के कार्यकर्ता होना और भाजपा के साथ ज ुड़े रहना यह सबसे बड़ी बात है । उन्होंने आगे बताया है कि, नरोडा पाटिया हत्याकांड में उनकी गलत तरीके से शामिल किया गया था और आखिर में हाईकोर्ट ने उनको निर्दोष ठहराते हुए यह केस में उनकी निर्दोषता आखिर में साबित हुई है । डॉ. कोडनानी ने आगे बताया है कि, नरोडा पाटिया केस में निर्दोष बरी और सत्य की जीत हुई इस बात की मुझे बहुत खुशी है । गुजरात हाईकोर्ट के फैसले से मैं संतुष्ट हूं । मुझे आखिर में न्याय मिला है । डॉ. कोडनानी ने अपने दु:ख के समय में उनका साथ देनेवाले सभी का आभार व्यक्त करती हूं । उल्लेखनीय है कि, नरोडा पाटिया हत्याकांड केस में सीट की स्पेशियल कोर्ट गत २९.८.२०१२ को दिए गए फैसले में डॉ. मायाबहन कोडनानी को मुख्य अपराधी ठहराया गया था और उनको २८ वर्ष की जेल की सजा सुनायी गई थी । जिसके कारण डॉ. मायाबहन को काफी कठिन दौर से गुज रना पड़ा था । हालांकि सीट स्पेशियल कोर्ट के फैसले से नाराज हुई डॉ. मायाबहन ने न्याय के लिए गुजरात हाईकोर्ट में अपील की थी । जिसमें हाईकोर्ट ने उनकी अपील मंजूर करके उनको इस केस में निर्दोष बरी करने का आदेश दिया गया था ।

हाईकोर्ट के इस फैसले की वजह से डॉ. मायाबहन कोडनानी उनके परिवारवालों और समर्थकों में खुशी की लहर फैल गई थी । डॉ. मायाबहन को मिलने के लिए और उनको निर्दोष बरी होने पर बधाई देने के लिए उनके परिचितों की भारी भीड़ लग गई थी । डॉ. कोडनानी ने सभी लोगों का मुंह मीठाकर उनका आभार व्यक्त किया था ।

अहमदाबाद वन विभाग द्वारा छापेमारी करके १०० पहाड़ी तोता को पकड़ लिया गया था । जिसमें बीमार तोता को अहमदाबाद पांजरापोर में उपचार के लिए लाया गया था ।

टूटी सड़को के कारण शहर में बढ़ रहे है हादसे

सूरत। शहर में सड़को की मरम्मत नहीं होने के कारण आए दिन हादसे हो रहे है। हादसों के लिए सड़के जिम्मेदार होती है। शहर में ऑवर -ब्रिज को छोड़ कर शहर की अमूमन सड़के टूटी फूटी है। सड़को पर डामर नहीं है। अनेक क्षेत्रों में कई वषी से डामरीकरण भी नहीं हुआ है। खड्डो का शहर बनता जा रहा है।

स्मार्ट सिटी के नाम से जाने जाने वाला सूरत शहर में सड़को की हालत देख कर कोई अंदाजा नहीं लगा सकता है कि करोड़ो का बजट पेश करने वाली पालिका के पास शहर की सड़को के लिए बजट नहीं है। वित्तीय संकट का सामना करने वाली महानगरपालिका के पास सड़को की मरम्मत करने के लिए पुख्ता इंतजाम नहीं है। सड़को पर दुर्घटना होती है। मीडिया में दुर्धटना सुर्खियों में रहती है ,उसके बाद टाय -टाय फीस हो जाती है। कही जगह यह अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता है कि गड्डा है या सड़क ही ऐसी है। शहर में अपवाद को छोड़कर सड़के की हालत बहुत खराब है.टीकमनगर,वराछा ,वेडरोड कतारगाम,उधना आदि ऐसे क्षेत्र है जहां सड़के टूटी होने से हादसे होते है। यह तो पालिका के संज्ञान में है।

भूकंप से कोई नुकसान नहीं

गुजरात में महसूस किए गए भूकंप के हल्के झटके

देदियापाडा, सागबारा, राजपीपला में भी हल्के-हल्के झटके : लोग अपने घरों-दफ्तरों से बाहर निकल आए

अहमदाबाद । गुज रात के विभिन्न जिलों में शनिवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए । भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर ३.७ मापी गई । जानकारी के मुताबिक, कही भी किसी अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं मिली है । भूकंप की तीव्रता कम होने से कहीं पर किसी की जान जाने या फिर कोई अन्य नुकसान होने की भी कोई खबर नहीं है ।

नर्मदा जिले में शाम के लगभग पांच बजे भूकंप के मामूली झटके महसूस हुए । इसके अलावा देदियापाडा, सागबारा और राजपीपला में भी हल्के-हल्के झटके महसूस किए गए । हालांकि, भूकंप के बाद लोग सतर्क हो गए और अपने-अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए ।

रिपोर्टस के मुताबिक, काफी देर तक लोग डर के साए में रहे । फिलहाल कहीं से किसी प्रकार के हादसे और नुकसान की खबर नहीं आई है ।

केसर आम की आय बहुत कम

अप्रैल पूरा होने को आया फिर भी आम की कीमत में भारी वृद्धि

अहमदाबाद । कोई भी व्यक्ति को प्रिय हो ऐसा मीठी आम की कीमत अप्रैल महीना पूरा होने को आया है फिर भी कडवा बन रही है । आम खाने के शोखिन को आम की खरीदी करते समय विचार करना पड़े ऐसी स्थिति है । हर वर्ष अप्रैल महीने में केसर सहित की अन्य जात की आम से बाजार भरा हुआ है । आम की कीमत योग्य और हरएक वर्ग के लोग खरीद सके ऐसे होते है । लेकिन इस वर्ष बादलछाया हुआ मौसम, बेमौसम बारिश सहित के कारण आम की सिजन अभी सही अर्थ में शुरू नहीं हुई है । यानी कि नहीं लेकिन किलो की कीमत पर बेची जा रही आम अब प्रति नंग पर बेची जा रही है । एक आम की कीमत प्रतिनंग ३० से ४० रुपये की कीमत है ।

आम के व्यापारियों के बताये अनुसार आम की कीमत गत वर्ष की तुलना में ५० से ६० प्रतिशत वृद्धि है । केसर आम की हाल की कीमत २०० रुपये के करीब है । कच्चा केसर आम भी ११०० रुपये की दस किलो पर बेची जा रही है । आफूस की कीमत २०० से २५० रुपये प्रति किलो की कीमत है । सबसे ज्यादा खरीदी बाजार में केसर आम की रहती है । पिछले दस दिन के दौरान आम की कीमत में कुछ कमी होने के बाद भी हाल में केसर आम की प्रति किलो कीमत २०० रुपये है । मई महीने में आम की कीमत में कुछ कमी होगी ऐसा व्यापारियों का मानना है ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com